

## यूरेनियम आपूर्ति

### प्रलिस के लयः

परमाणु ऊर्जा वभाग, परमाणु-हथयार संपन्न देश

### मेन्स के लयः

परमाणु ऊर्जा वभाग द्वारा लयः गः नरऱणय का भारत-ऑस्ट्रेलया संबंघों पर प्रभाव

## चर्चा में क्योँ?

हाल ही में **परमाणु ऊर्जा वभाग** (Department of Atomic Energy-DAE) ने **प्रस्तावों की व्यवहार्यता की कमी** (Lack of Viability of the Proposals) का हवाला देते हुए भारत को यूरेनियम अयस्क की आपूर्ति शुरू करने वाली **दो ऑस्ट्रेलयाई** कंपनयों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों को **रद्द** कर दया है।

## प्रमुख बडुः

- भारत-ऑस्ट्रेलया के संबंघों में **वर्ष 2012** से ही उतार-चढ़ाव देखा गया है, जब ऑस्ट्रेलयाई सरकार द्वारा भारत को परमाणु अप्रसार संधिका हस्ताक्षरकरता देश नहीं होने के बावजूद यूरेनियम देने का फैसला लया गया था।
  - उपर्युक्त नरऱणय को औपचारकः रूप देते हुए दोनों देशों के मध्यवर्ष **2014** में संपन्न हुए द्वपकषीय समझौते को **परमाणु ऊर्जा के शांतपूरण उपयोग में सहयोग** (Cooperation in the Peaceful Uses of Nuclear Energy) के रूप में जाना गया।
- ऑस्ट्रेलया से आयाततः यूरेनियम का उपयोग भारतीय परमाणु ररऱक्टरों की ईंधन आवश्यकताओं को पूरा करने के लयः कया गया **जंघंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी** (International Atomic Energy Agency-IAEA) द्वारा नरऱधारतः सुरक्षा उपायों के तहत है।
- हालाँकः दोनों देशों के प्रयासों के बावजूद यूरेनियम आपूर्ति के मुद्दे पर प्रगता बहुत कम हुई है। **वर्ष 2017** में ऑस्ट्रेलया ने भारत को अपना **पहला यूरेनियम शपऱमेंट/जहाज़** भेजा, लेकनः यह यूरेनियम की बहुत छोटी खेप थी एवं इसका उपयोग पूरण रूप से परीक्षण प्रयोजनों के लयः कया जाना था।

## इंडयऱन सवलऱ न्यूक्लयऱर कैपेसऱटीः

- भारत में **6,780 मेगावाट** की स्थापतः कषमता के साथ **22 ररऱक्टर** हैं। इनमें से **आठ ररऱक्टर** स्वदेशी यूरेनियम से संचालतः हैं, जबकः शेष **14 ररऱक्टर** IAEA सुरक्षा उपायों के अंतरगत आयाततः यूरेनियम द्वारा संचालतः हैं।
- **वर्ष 2005** में अमेरका के साथ संपन्न **परमाणु समझौते** के बाद भारत को **वर्ष 2006** में घोषतः चरणबद्ध तरऱके से **IAEA** सुरक्षा उपायों के तहत **14 अलग-अलग ररऱक्टर** लगाने की आवश्यकता थी।
- वर्तमान में भारत द्वारा **रूस, कज़ाखस्तान, उज़बेकस्तान, फ्राँस** और **कनाडा** से यूरेनियम ईंधन का आयात कया जाता है।
  - **कज़ाखस्तान** वशऱव में यूरेनियम का **सबसे बड़ा उत्पादक** देश है।
- कई ईंधन चक्र सुवधऱओं (Several Fuel Cycle Facilities) के साथ-साथ यूरेनियम की स्थरऱ आपूर्ति से भारतीय परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के प्रदर्शन में और सुधार होने की उम्मीद है।

## अप्रसार संधः

- **अप्रसार संधः** (Non-Proliferation Treaty) एक **अंतर्राष्ट्रीय संधः** है जसका उद्देश्य परमाणु हथयारों तथा हथयारों की तकनीक के प्रसार को रोकना, परमाणु ऊर्जा के शांतपूरण उपयोग को बढ़ावा देते हुए नशऱस्त्रीकरण के लक्ष्य को आगे बढ़ाना है।
- इस संधः पर **वर्ष 1968** में हस्ताक्षर कयः गः तथा **वर्ष 1970** में यह संधः लागू हुई। वर्तमान में इसमें **190 सदस्य** देश शामिल हैं।
- परमाणु ऊर्जा के शांतपूरण उपयोग के लयः आवश्यक है कः देशों को वर्तमान या भवष्य में परमाणु हथयार बनाने की कसऱी भी योजना का परतऱयाग करना होगा।
- यह परमाणु हथयार संपन्न देशों द्वारा नशऱस्त्रीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लयः एक **बहुपक्षीय एवं बाध्यकारी** संधः है।

- NPT के तहत उन देशों को परमाणु-हथियार संपन्न देशों की श्रेणी में शामिल किया जाता है जिनके द्वारा 1 फरवरी, 1967 से पहले परमाणु हथियारों या अन्य परमाणु वस्त्रोत्पत्ति उपकरणों का निर्माण और परमाणु परीक्षण किये जा चुके हैं।

## NPT पर भारत का रुख:

- भारत उन पाँच देशों में शामिल है जिन्होंने NPT पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं, अन्य देश हैं **पाकिस्तान, इजरायल, उत्तर कोरिया और दक्षिण सूडान** हैं।
- भारत ने हमेशा ही **NPT** को एक भेदभावपूर्ण संधिमाना और इस पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया।
- भारत द्वारा परमाणु अप्रसार वाली अंतरराष्ट्रीय संधियों का वरिष्ठ किये गया है क्योंकि वे गैर-परमाणु संपन्न देशों पर एक नशिचति रूप में लागू होती हैं, वही दूसरी ओर ये संधियाँ पाँच परमाणु हथियार संपन्न देशों के एकाधिकार को वैधता प्रदान करती हैं।
- भारत का मानना है कि परमाणु नशिस्तरीकरण के लक्ष्य को एक सार्वभौमिक प्रतबिधता के तहत चरण-दर-चरण प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही इसके लिये एक-दूसरे के प्रतबिधता एवं सारथक संवादों के माध्यम से बहुपक्षीय ढाँचे पर सहमति वियक्त करने की ज़रूरत है।

## आगे की राह:

- भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंध काफी हद तक **'एक कदम आगे, दो कदम पीछे' (One Step Forward, Two Steps Back)** हटने की रणनीति का हिससा रहे हैं। हालाँकि ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत को यूरेनियम की बकिरी पर प्रतबिधता हटाया जाना दोनों देशों के मध्य चल रहे कूटनीतिक गतरिध के दूर होने के रूप में देखा गया जो कसिंभावति रूप से ऑस्ट्रेलियाई आपूरतकिरत्ताओं के लिये एक नया और बढ़ता हुआ बाज़ार खोल रहा है।
- जून 2020 में भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों देशों द्वारा अपने संबंधों को एक **'व्यापक रणनीतिक साझेदारी'** के तहत आगे बढ़ाने का फैसला किया गया।
- उपर्युक्त विकास के मद्देनज़र भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ही यूरेनियम की आपूरत में आने वाली बाधाओं को दूर करने की दशि में कार्य कर रहे हैं।

## स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/uranium-supply-from-australia-to-india>

